शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय,इंदौर

ए.बी.रोड़, भंवरकुआ चौराहा, इंदौर (म.प्र.)– 452017 Ph. 0731–2464074

Email : principalhsc@rediffmail.co

ई–न्यूज लेटर

जनवरी 2014 अंक–2

(क)
शैक्षणिक आयाम

दिनांक 4.10.2013 को श्री दिनेश खण्डेलवाल ने महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया।

(श्री दिनेश खण्डेलवाल जी, अध्यक्ष जनभागीदारी समिति)

<u>प्रोफेसर विपुल कीर्ति ने बनाया कीर्तिमान खोज डाली समुद्री जीव की नई जीवाश्म प्रजाति</u>

इंदौर के प्रोफेसर एवं युवा वैज्ञानिक डॉ विपुल कीर्ति शर्मा ने काँटेयुक्त त्वचा वाले समुद्री जीव सी अर्चिन (जल साही) की एक जीवाश्म प्रजाति का पता लगाकर जीव विज्ञान के क्षेत्र में भारत का परचम फहराया है। इस प्रजाति का उल्लेख इन जीवों की अबतक की ज्ञात प्रजातियों में नहीं था। इस नई प्रजाति का नामकरण में खोजकर्ता के नाम का उल्लेख भी रहेगा अतः इस प्रजाति को विपुल कीर्ति के सम्मान में, 'स्टेरियोसिडेरिस कीर्ति' नाम दिया गया है।

(डॉ.विपुलकीर्ति शर्मा प्राध्यापक,प्राणिकीशास्त्र)

विश्व प्रसिद्ध नेचरल हिस्ट्री म्यूजियम लंदन में

अभिरक्षित इस स्पेसिमेन को अध्ययन की सुविधा के अनुसार तथा म्यूजियम के नियमों के अनुरूप विशेष क्रम होलोटाइप NHM EE 1384 प्रदान किया गया है। स्टिरियोसिडेरिस ''कीर्ति'' इसके पूर्व विश्व में कहीं नहीं पाया गया है और विज्ञान के लिये यह सर्वथा नई खोज है।।लंदन के नेचरल हिस्ट्री म्युजियम के जीवाश्म विज्ञानी ए.बी. स्मिथ के शोधपत्र में यह जानकारी प्रकाशित की गई है।

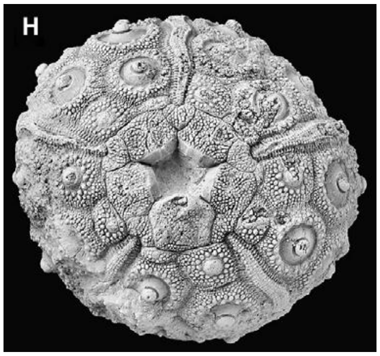

यह जीवाश्म इन्दौर से 150 किमी. दूर मनावर (जिला धार) के ग्राम जीराबाद के दक्षिण में, करोंदिया मान–सुकर नदी के क्षेत्र से उन्होंने खोजा है। इस क्षेत्र की सतह और भूमि बहुत कड़ी है तथा लोह तत्व की अधिकता के कारण लालिमा–युक्त है।

50mm डायमीटर तथा 38mm ऊंचा, यह ऊंचा, यह क्रीमी–पिंक बहुत सुंदर विलुप्त जीवाश्म भूगर्भीय कालचक्र के अनुसार 6 से 10 करोड़ वर्ष पूर्व ट्यूरोनियन काल में समुद्री किनारों के उथले जल में पाया जाता था।

डॉ. विपुल कीर्ति ने बताया कि यह बहुत ही दिलचस्प सत्य है कि 6 करोड़ वर्ष पूर्व इन्दौर समुद्री किनारे पर था। समुद्र यहां वैसे ही हिलोरें लेता था जैसे हावड़ा (कलकत्ता) में लेता है। उस काल में इन्दौर में डायनोसोर वैसे ही दौड़ा करते थे जैसे बी. आर.टी.एस. पर आजकल वाहन दौड़ते हैं।

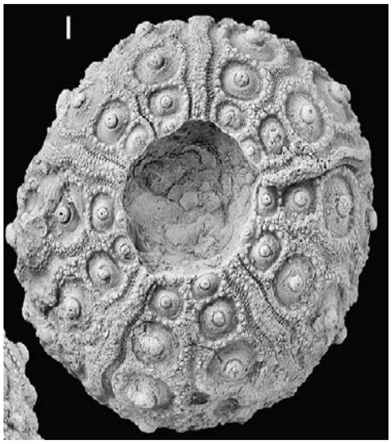

वर्तमान काल का अरब सागर उस वक्त का टेथिस समुद्र कहलाता था। टेथिस की एक भुजा गुजरात के कच्छ क्षेत्र से वर्तमान मध्यप्रदेश के पश्चिम निमाड़ से होती हुई जबलपुर तक फैली हुई थी। यही क्षेत्र आज कल नर्मदा वेली के रूप में जाना जाता है।

मध्यकाल अर्थात मीजोझोइक इरा के सिनोमेनियन पीरियड़ में टेथिस की गहराई बढ़ जाने के कारण उथले समुद्री किनारों पर पाए जाने वाले अधिकांश प्राणी विलुप्त हो गये। इनमें स्टिरियोसिडेरिस भी सम्मिलित है। इसी कारण उथले समुद्री जीवों के

बारे में बहुत कम जानकारियां उपलब्ध है। कालान्तर में टेथिस समुद्र की यह भुजा विलक्षण भौगोलिक परिवर्तन के फलस्वरूप समाप्त हो गई और अपने पीछे अनेकानेक समुद्री जीवों के परिरक्षित जीवाश्मों का अनमोल खजाना इस क्षेत्र में छोड़ गई। ये जीवाश्म हमारे प्रागेतिहासिक काल के गवाह हैं और राष्ट्र की बहुमूल्य सम्पत्ति और धरोहर हैं।

जीराबाद में हुई 21 प्रजातियों की खोज—

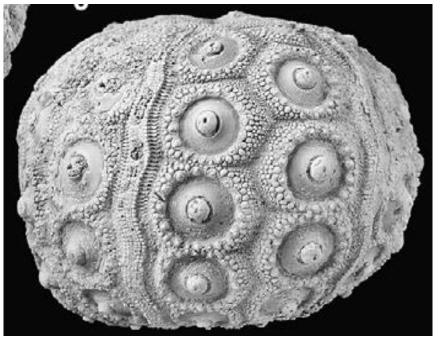

जीवाश्म विज्ञानी डंकन ने 1887 में बाघ बेड्स के इन जीवाश्मों की पहचान कर इन्हे नाम दिए थे पर उन्होने इसमें यूरोपियन प्रजातियों के नामों की ही पुनरावृत्ति की थी। फोरटाउ ने 1917 इनका पुर्नअध्ययन जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया कोलकाता में रखे जीवाश्मों पर किया। बाद में भारतीय वैज्ञानिकों ने भी इकिनाइड्स पर काम किया और 21 प्रजातियों की खोजबीन कर डाली। इस दृष्टि से प्रो. विपुल कीर्ति शर्मा का यह कार्य भी अधिक महत्व रखता है।

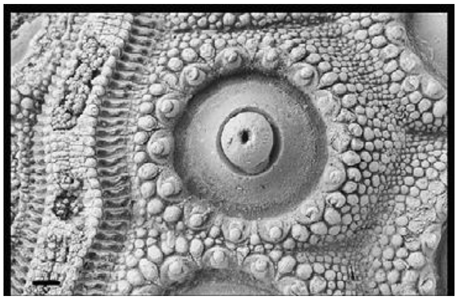

यद्यपि डायनोसोर के अंडों के जीवाश्म के बाद यह क्षेत्र प्रसिद्ध हुआ है तथापि इस क्षेत्र के जीवाश्मों का अध्ययन बहुत कम हुआ है और बहुत सी संभावनाएं शेष है। आशा है प्रो. विपुल कीर्ति शर्मा की इस खोज के पश्चात वैज्ञानिक चेतना में अभिवृद्धि होगी तथा जीवाश्म विज्ञान के क्षेत्र में शोध के प्रति नई जागरूकता और दिलचस्पी बढ़ेगी।

डॉ. विपुल कीर्ति शर्मा ने बीरबल साहनी इंस्टीटयूट ऑफ पेलियो बाटनी, लखनउ में आयोजित अंर्तराष्ट्रीय सेमिनार में अपना शोध पत्र पढा। दिनांक 19 से 12 दिसम्बर 2013 तक आयोजित सेमिनार में विश्व के प्रसिध्द जीवाश्म वैज्ञानिक एकत्रित हुये थे।

(विभाग के सदस्यों के साथ प्रो.जे.एस.कुशवाह)

दिनांक 30/11/2013 को महाविद्यालय के दो वरिष्ठ प्राध्यापक, प्रो. जे.एस.कुशवाह (भाषा विभाग) एवं प्रो. आर.के. वेद (रसायनशास्त्र विभाग) सेवानिवृत्त हुए। विभाग की ओर से आपको भावभीनी विदाई दी गई।

प्राणीशास्त्र विभाग में दिनांक 18/10/2013 को प्राणिकी परिषद का गठन किया गया ।
परिषद के उद्घाटन के अवसर पर डॉ. बी. के पुरे (सेवानिवृत्त प्राध्यापक) का Importance of Educational Tour' पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया ।

प्रो.नमिता बेन्डे रसायन शास्त्र विभाग को पी.एच.डी की उपाधि प्राप्त हुई इनका एक रिसर्च पेपर इंटरनेशनल जरनल में प्रकाशित हुआ।

प्रो.वी.आर.चौरे रसायनशास्त्र विभाग का रिसर्च पेपर भी INTERNATIONAL JOURNAL OF CHEMISTRY में प्रकाशित हुआ।
डॉ.सुनीता पटेल हार्डिया, रसायनशास्त्र विभाग द्वारा Topological Modeling of aquatic Toxicity of Hydroxylated Atomic aldehydes विषय पर SDITS खण्डवा में एक प्रेंजेंटेशन दिया गया। इन्होने 5 से 7 दिसम्बर 2013 तक गोवा में NASI द्वारा आयोजित 83 सिम्पोसियम जिसका विषय था "Comparative Modeley of Policity and Log $D_{7.4}$ 5-7th Dec. 2013 of Hydroxylated aromatic aldehydes" में पोस्टर प्रेजेन्टेशन दिया

'' तितलियों की नर्सरी होलकर कालेज में ''

विभिन्न पर्यावरणीय दबाओं के कारण देश में तितलियों की घटती संख्या को ध्यान में रखते हुऐ । होलकर विज्ञान महाविद्यालय के बीज तकनीकी एवं उद्यानिकी विभाग में गत वर्ष एक छोटा सा प्रयास ''बटर पलाई गार्डन '' बनाकर किया था । जहां यहां पिछले वर्ष लगभग 20 प्रकार की तितलियॉ देखी गई थी । उन्हीं प्रयासों के चलते इस वर्ष भी ऐसे पौधों का रोपण किया गया है जिस पर तितलियां अपने अण्डे देती है और फूलों का रस पान करती है ।

पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष बटरफ्लाई के लिए विशेष नर्सरी तैयार की गई है। इस नर्सरी में तितलियों के जीवन चक्र की विभिन्न अवस्थाओं को प्रकृति की प्रयोगशाला में घटते हुऐ देखा जा सकता है। यहॉ तितलियो के अण्डे, लाखो, प्यूपा एवं वयस्क तितलियों का साम्राज्य है। इस वर्ष जो नई तितलियॉ दिखाई दे रही है। वे है स्ट्रिप्ड टाइगर, कामन लेपर्ड और डार्क

'' जीवन सौंदर्य से भरपूर है,इसे देखे महसूस करे,इसे पूरी तरह से जीए,और अपने सपनों की पूर्ति` के लिये पूरी कोशिश करें''
–एशले स्मिथ

तितलियाँ

बेरंग होती इस दुनिया में
तितलयॉ रंगों के आदि साक्ष्य है
ये नन्ही तितलियॉं अपने कॉधों पर
इन्द्रधनुष ढो कर उडती रहती है हवा में
सुवास की तरह ...
अप्राकृतिक होती जा रही इस दुनियां में

ब्लू टाइगर ।

प्राणिशास्त्र विभाग में दिनांक 18/10/2013 को प्राणिकी परिषद का गठन किया गया ।

परिषद के उद्‌घाटन के अवसर पर डॉ. बी. के पुरे (सेवानिवृत्त प्राध्यापक) का Importance of Educational Tour' पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया ।

फूलों के बीच उड़ रही है तितलियॉ
मन की तंरगों की तरह
ये तितलियॉ दे देती है दस्तक
ह्दय के उस कोने में
जहॉ पाषाण के नीचे
दबी पड़ी है संवेदना ठोस हो कर
फिर आहट पा कर
संवेदना द्रवीभूत हो वह निकलती है
सरल सलिला की तरह
अन्तः स्थल से ।

– कवींद्र भारद्वाज

प्राणिशास्त्र विभाग में दिनांक 8.11.2013 को प्रा. अंजुला पोरस का पीएच–डी. का व्हायवा हुआ विषय विशेषज्ञ डॉ. आर.एस.परिहार स्कूल ऑफ स्टडीज उज्जैन थे। एवम् आंतरिक विशेषज्ञ डॉ.एम.एम.पी.श्रीवास्तव थे।
प्राणिशास्त्र विभाग में दिनांक 24.12.2013 को प्रो. निलोफर खान का पीएच–डी. का व्हायवा हुआ विषय विशेषज्ञ डॉ. प्रकाश बाकुरे जयपुर युनिवर्सिटी के थे। एवम् आंतरिक विशेषज्ञ डॉ.एन.के.धाकड़ थे।

(ख)
प्रेरणास्पद स्तंभ

दिनांक 5/10/13 को सी. एच. ऐज मेकर्स के निर्देशक श्री संदीप अत्रे ने साक्षात्कार की तैयारी पर व्याख्यान दिया ।

दिनांक 21/10/2013 को **IBM** दक्ष ने 150 में से 14 छात्रों का चयन तीन स्तरों में किया । तीन स्तर में पहले स्तर में स्वयं का परिचय दिया, दूसरे स्तर पर टेलीफोनिक साक्षात्कार व तीसरे चरण में एप्टीट्यूड टेस्ट लिया गया ।

25 October को मतदाता जागरूकता अभियान 2013 के तहत् शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय में वाद–विवाद, निबंध स्लोगन और पोस्टर मैकिंग प्रतियोगिताऐं आयोजित की गई । कलेक्ट्रेट इंदौर के तहत नियुक्त किये गये कालेज एम्बेसेडर पुलकित जैन एवं प्रेरणा दुबे ने बताया की भारत निर्वाचन आयोग के अभियान के तहत यह प्रतियोगिताऐं आयोजित की गई । इसमें वाद–विवाद प्रतियोगिता में मयूरी जोक व हार्दिक दवे प्रथम तथा

जूही यादव व सपना यादव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया । निबंध प्रतियोगिता में प्रथम मयूरी जोक द्वितीय दीपेन्द्र कुलश्रेष्ठ । स्लोगन प्रतियोगिता मे प्रथम सपना यादव, पोस्टर मेकिंग में प्रथम कृष्णकांत चौधरी रहे ।

दिनांक 25 दिसम्बर 2013 को CIPLA कम्पनी द्वारा आयोजित केम्पस प्लेसमेंट में महाविद्यालय के 2 छात्र चयनित हुये।

विश्व मधुमेह दिवस के उपलक्ष पर शा0 होलकर विज्ञान महाविद्यालय के फार्मा रसायन विभाग द्वारा **“ मधुमेह में व्यायाम तथा पोषण का महत्व ”** विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन दिनांक 13/11/2013 को किया गया। व्याख्यान डॉ. नम्रता सिंह द्वारा दिया गया। उन्होने मधुमेह में नियमित रूप से घूमने को अत्यधिक महत्वपूर्ण बताया। उन्होने सूर्य नमस्कार को एक सबसे अच्छा व्यायाम, तथा आहार में वसा तथा तेल को कम करने को कहा। फलों में मौसम्बी को मधुमेह में उचित बताया, तथा आयुर्वेद में ली जाने वाली औषधियों को भी उपयोगी बताया, जैसे कि दाल चीनी, करेले का रस इत्यादि का सेवन। सबसे महत्वपूर्ण बात उन्होने कही कि किसी भी एक व्यायाम तथा एक घरेलू नुस्खे को ही अपनाया जाना चाहिए। बार–बार परिवर्तन करने पर उसका प्रभाव नहीं होता है। इस उपलक्ष में विभाग द्वारा तुलसी के रोपें भी वितरित किये गये। अतिथि का स्वागत विभागाध्यक्ष डॉ. मंगला दवे द्वारा कार्यक्रम का संचालन कांति निराला तथा धन्यवाद श्रीमती हेमा कोचर द्वारा दिया गया।

Character is like a tree,and reputation is like its shadow. The shadow is what we think of it ;the tree is the real thing.

Abraham Lincoln

नबम्बर माह में मतदान कर्मियों के दलों को प्रशिक्षण देने का काम महाविद्यालय में वृहद् स्तर पर हुआ। लगभग 37 प्राध्यापकों ने मतदान प्रशिक्षण देने का कार्य किया तथा अन्य प्राध्यापकों ने निर्वाचन कर्तव्य का निवर्हन किया।

(ग)
नवीन आयाम

नेक के द्वारा महाविद्यालय के एक्रिडिटेशन हेतु महाविद्यालय में तैयारी की जा रही है।

When the mind becomes purified like a mirror, knowledge is revealed in it.Care should therefore be taken to purify the mind.

Shri Shankaracharya

महाविद्यालयीन गतिविधियॉ
(घ)

युवा उत्सव 2013–14

अर्न्तमहाविद्यालयीन स्तर पर नाटक विधा के आयोजन का प्रभार महाविद्यालय को सौंपा गया, जिसकी प्रभारी डॉ.मंगला दवे रहीं। प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 01/10/2013 को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय सभागृह, खण्डवा रोड पर हुआ जिसमें श्री दिलीप लोकरे, श्री दिलीप चिंचालकर एवं श्री राजेन्द्र देशमुख निर्णायक रहे। नाटक विधा के अन्तर्गत, एकांकी में 09, मूक अभिनय में 06, मिमिक्री में 06, तथा प्रहसन में 10, महाविद्यालयों ने भाग लिया। होलकर विज्ञान महाविद्यालय ने भी एकांकी तथा प्रहसन में सफलतापूर्वक भाग लिया।

महाविद्यालय के M.Sc.III Sem, Chemistry के छात्र रितेश अटोदिया का चयन अर्न्तजिला स्तरीय युवा उत्सव में एकल स्वर वाध के लिए हुआ,

(युवा उत्सव का उद्घाटन समारोह)

25 October को मतदाता जागरूकता अभियान 2013 के तहत् शासकीय होलकर विज्ञान

महाविद्यालय में वाद–विवाद, निबंध स्लोगन और पोस्टर मैकिंग प्रतियोगिताऐं आयोजित की गई । कलेक्ट्रेट इंदौर के तहत नियुक्त किये गये कालेज एम्बेसेडर पुलकित जैन एवं प्रेरणा दुबे ने बताया की भारत निर्वाचन आयोग के अभियान के तहत यह प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई । इसमें वाद–विवाद प्रतियोगिता में मयूरी जोक व हार्दिक दवे प्रथम तथा जूही यादव व सपना यादव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया । निबंध प्रतियोगिता प्रथम मयूरी जोक द्वितीय दीपेन्द्र कुलश्रेष्ठ । स्लोगन प्रतियोगिता मे प्रथम सपना यादव, पोस्टर मेकिंग प्रथम कृष्णकांत चौधरी रहे ।

दिनांक 30/11/2013 को राष्ट्रीय कॆडेट कोर दिवस होल्कर विज्ञान महाविद्यालय के तत्वावधान मे मनाया गया। इस अवसर पर घुडसवारी,ऐरो मॉडलिंग, हथियारों का प्रदर्शन, गोरखा रेजीमेंण्ट द्वारा किया गया। परेड की सलामी एवं एन.सी.सी. मेला का शुभारंभ करने के लिए उपमहानिदेशक मेजर जनरल ए.के. घोष भोपाल से आये थे। वे होलकर कॉलेज सभागृह में प्रेस से भी रूबरू हुए। एन.सी.सी. मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। एन.सी.सी. दिवस पर एन.सी.सी. में उत्कृष्ट कार्य के लिये मेजर प्रीति चतुर्वेदी एवं केप्टन संजय व्यास को बेस्ट ऑफिसर का पुरस्कार प्रदान किया गया। इस मेले को आयोजित करवाने में प्राचार्य डॉ. आर.के. तुगनावत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

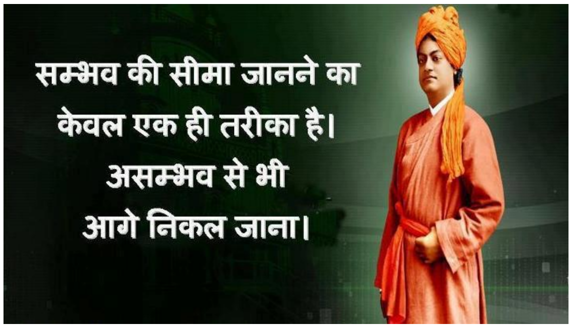

NCC छात्रा विंग में दिव्या मंडल ने थल सेना शिविर में एवं मावलांकर राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। NCC दिवस को NCC मेला के रूप में होलकर विज्ञान महाविद्यालय इंदौर के परिसर में आयोजित किया गया। होलकर विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा कैडेट्स ने उपमहानिदेशक मेजर जनरल ए.के.घोष ने पारंपरिक रूप से स्वागत किया। छात्रा कैडेट्स पारंपरिक वेषभूषा में थी। होलकर विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा कैडेट्स में गरिमा शुक्ला, दिव्या मंडल, आंकाक्षा चतुर्वेदी, मयूरी जोक, राखी गुप्ता ने सभी NCC गतिविधियों में भाग लिया व उन्हे प्रमाण–पत्र भी वितरीत किये गये। NCC थल सेना शिविर में अच्छा प्रदर्शन करने से दिव्या मंडल को शील्ड प्रदान की। NCC गतिविधियों में मेजर प्रीति चतुर्वेदी का अच्छा प्रदर्शन एवं नियमित रूप से भाग लेने के कारण एवं “B,C” प्रमाण पत्र में छात्राओं ने शत प्रतिशत योगदान दिया। इन सभी कारणो से NCC Best officer का अवार्ड मेजर जनरल ए.के.घोष द्वारा NCC दिवस पर मेजर प्रीति चतुर्वेदी को दिया गया।

(मेजर प्रीति चतुर्वेदी पुरस्कार प्राप्त करते हुये)

Ncc में RDC ,TSC के अलावा भी और बहुत से केम्प होते है। उन्ही में से Mavlanker National Shooting Camp भी एक है। मई महिने में जबलपुर में इसका केम्प हुआ था। म.प्र. एवं छ.ग. के छः ग्रुप में से इंदौर, रायपुर, जबलपुर, भोपाल, सागौर, ग्वालियर इनमें से 8 बच्चों का सिलेक्शन हुआ। 6 सिनियर विंग से और 2 जूनियर विंग से, इंदौर ग्रुप से सिर्फ दिव्या मंडल का सिलेक्शन हुआ। उन्होन होलकर कालेज के साथ–साथ शहर का भी नाम रोशन किया। म.प्र. एवं छ.ग. की टीम में सिलेक्शन होने के बाद वडोदरा में दिनांक 17.06.2013 को National Shooting Camp में भी कोचिंग लेकर आई है।

(कु.दिव्या मंडल)

फार्मारसायन विभाग के एम–एससी तुतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा अंर्तराष्ट्रीय वृद्ध दिवस दिनांक 1.10. 2013 को आस्था वृद्धाश्रम में वृद्धजनों के साथ मनाया गया।